

online - disposed

अनुसूचि 14 फारम 462 (देखे अभिलेख हरतक 194 'क' का नियम 129)

ता. आदेश पत्रक संख्या

19/11/16

केश का प्रकार 151/2015-16

जिला खूंटी सत्र सि०

किसी काम संख्या और तारीख

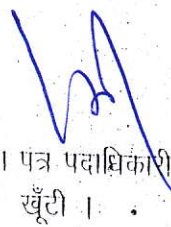
आदेश और पदाधिकारी का हस्ताक्षर

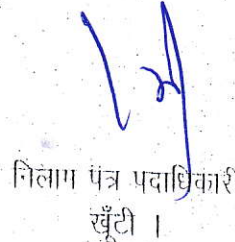
आदेश पर की गई कार्यवाही के बारे में टिप्पणी तारीख सहित

19/11/16

आरबीएल बैंक मुरहू
 शाखा की ओर से अधिवक्ता ने उपस्थित होकर प्रार्थना पत्र दाखिल किये हैं कि
 निलाग देनदार श्री न. प्रमिला महेला
 पिता श्री देवीलाल महेला
 ग्राम डोनाकेल पो. मुरहू
 थाना मुरहू के विरुद्ध उपांत में लिखित बैंक ऋण बाकी है उनके
 विरुद्ध निलाग पत्र काद दायर कर वसूली किया जाय। बैंक की ओर से कोर्ट की
 राशि का स्टाम्प रु का दायर किया गया है जो अभिलेख के
 साथ संलग्न है। उपर्युक्त
 तथ्य से मैं सहमत हूँ। निलाग देनदार धारा 7 पी०डी०आ० एक्ट के अन्तर्गत
 नोटिस निर्गत करें तथा अभिलेख दिनांक 19/11/16 को प्रस्तुत करें।
 लेखापित एवं सत्यापित

मूल + प्र
 294582 =
 C.A. - 3080 =
 P.A. - 25 =
 कुल = 32563 =


 निलाग पत्र पदाधिकारी
 खूंटी ।


 निलाग पत्र पदाधिकारी
 खूंटी ।

19/11/16

नोटिस प्रामिला अक्षय
 दिनांक 19/11/16 को रखें

निष्पत्त

19/11/16

नोटिस प्रामिला अक्षय
 दिनांक 19/11/16 को रखें

19/1/16

नॉरिश्चि चापिला डापा देवा
अनुपस्थित दिनांक 19/2/16 ये रवे

19/2/16

देवा अनुपस्थित दिनांक 19/2/16
ये रवे

19/3/16

देवा अनुपस्थित दिनांक
18/4/16 ये रवे

18/4/16

देवा अनुपस्थित दिनांक
18/5/16 ये रवे

03/05/16

18/5/16 ये रवे वात दिनांक को
03/05/16 को रवे

3/5/16

देवा अनुपस्थित दिनांक 4/2/17
ये रवे

4/1/17

देवा अनुपस्थित दिनांक 4/3/17
ये रवे

4/2/17

देवा अनुपस्थित दिनांक 5/4/17
ये रवे

4/3/17

देवा अनुपस्थित दिनांक 5/5/17
ये रवे

5/4/17

देवा अनुपस्थित दिनांक 5/6/17
ये रवे

5/5/17

देवा अनुपस्थित दिनांक 5/7/17
ये रवे

5/6/17

5/7/17

देवदा अरुणाक्षिणा दिगंबर ३१११७

को २०१

सिद्धपदा

३१११७
२४१११७

अभिलेख अरुणाक्षिणा देवदा
अरुणाक्षिणा राधे ककुली हेतु नालि
किर २० दिगंबर १११११७ २०१

सिद्धपदा

३१/०४/२०

अभिलेख अरुणाक्षिणा / केंद्र द्वारा
अभिनेदन प्राप्त / केंद्र द्वारा अभिलेखि कि
ज्या है कि देवदा (नन्दकिथो) महल ५
द्वारा ३२५६३ - ०० (कलीफ हजा फाय सी
निसर ६१५) है कि / अरुणाक्षिणा
विनी जा च राधे ककुली ही

अतः केंद्र प्रमाण पत्र के आधार
पर वाद की सर्विसि च प्रमाण कि
जाता है साथ ही जाये लक्षण
अभिलेख को अभिलेख में दर्ज
अभिलेखण में जमा है।

अभिलेख संव सहायिका



अनुभव प्रकाशिका
सह

अनुभव प्रकाशिका
रुनी।



अनुभव प्रकाशिका
सह

अनुभव प्रकाशिका
रुनी।